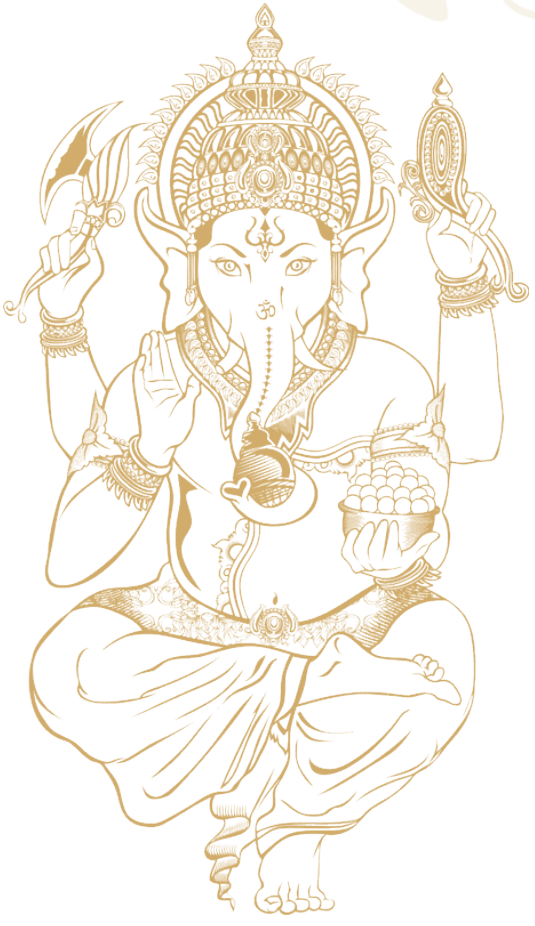

# Sandeep

20 Oct 1976

04:25 AM

Hamirpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 121173501

**तिथि** 20/10/1976 **समय** 04:25:00 **वार** बुधवार **स्थान** Hamirpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:32:07
**अक्षांश** 31:38:00 उत्तर **रेखांश** 76:36:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:23:36 घंटे

### पंचांग

| | |
|---|---|
| साम्पातिक काल | 05:55:32 घं |
| वेलान्तर | 00:15:13 घं |
| सूर्योदय | 06:29:42 घं |
| सूर्यास्त | 17:47:08 घं |
| चैत्रादि संवत | 2033 |
| शक संवत | 1898 |
| मास | कार्तिक |
| पक्ष | कृष्ण |
| तिथि | 12 |
| नक्षत्र | पू०फाल्गुनी |
| योग | ब्रह्म |
| करण | कौलव |

### अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| गण | मनुष्य |
| योनि | मूषक |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | वनचर |
| वर्ग | श्वान |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | टा-टाटा |
| पाया(रा.-न.) | लौह-रजत |
| होरा | बुध |
| चौघड़िया | लाभ |

### विंशोत्तरी

**शुक्र 13वर्ष 1मा 0दि**

**राहु**

**20/11/2012**
**21/11/2030**

| | |
|---|---|
| राहु | 03/08/2015 |
| गुरु | 27/12/2017 |
| शनि | 02/11/2020 |
| बुध | 22/05/2023 |
| केतु | 09/06/2024 |
| शुक्र | 09/06/2027 |
| सूर्य | 03/05/2028 |
| चन्द्र | 02/11/2029 |
| मंगल | 21/11/2030 |

### योगिनी

**उल्का 3वर्ष 11मा 3दि**

**संकटा**

**23/09/2023**
**23/09/2031**

| | |
|---|---|
| संकटा | 04/07/2025 |
| मंगला | 23/09/2025 |
| पिंगला | 04/03/2026 |
| धान्या | 03/11/2026 |
| भ्रामरी | 23/09/2027 |
| भद्रिका | 02/11/2028 |
| उल्का | 04/03/2030 |
| सिद्धा | 23/09/2031 |

| ग्रह | व | अ | अंश | राशि | नक्षत्र | पद | स्वामी | अं. | स्थिति | षट्बल | चर | स्थिर | ग्रह तारा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | 05:30:21 | कन्या | उ०फाल्गुनी | 3 | सूर्य | बुध | --- | 0:00 | | | |
| सूर्य | | | 03:08:40 | तुला | चित्रा | 3 | मंगल | शुक्र | नीच राशि | 1.07 | कलत्र | पितृ | क्षेम |
| चंद्र | | | 17:56:34 | सिंह | पू०फाल्गुनी | 2 | शुक्र | मंगल | मित्र राशि | 1.31 | भ्रातृ | मातृ | जन्म |
| मंगल | | अ | 14:01:54 | तुला | स्वाति | 3 | राहु | बुध | सम राशि | 1.49 | मातृ | भ्रातृ | प्रत्यारि |
| बुध | | | 20:51:51 | कन्या | हस्त | 4 | चंद्र | शुक्र | स्वराशि | 1.14 | अमात्य | ज्ञाति | विपत |
| गुरु | व | | 06:10:57 | वृष | कृतिका | 3 | सूर्य | बुध | शत्रु राशि | 1.08 | पुत्र | धन | सम्पत |
| शुक्र | | | 05:31:38 | वृश्चि | अनुराधा | 1 | शनि | बुध | सम राशि | 0.89 | ज्ञाति | कलत्र | वध |
| शनि | | | 21:58:34 | कर्क | आश्लेषा | 2 | बुध | सूर्य | शत्रु राशि | 1.13 | आत्मा | आयु | मित्र |
| राहु | व | | 10:01:49 | तुला | स्वाति | 2 | राहु | गुरु | मित्र राशि | | --- | ज्ञान | प्रत्यारि |
| केतु | व | | 10:01:49 | मेष | अश्विनी | 4 | केतु | शनि | मित्र राशि | | --- | मोक्ष | अतिमित्र |

## लग्न-चलित

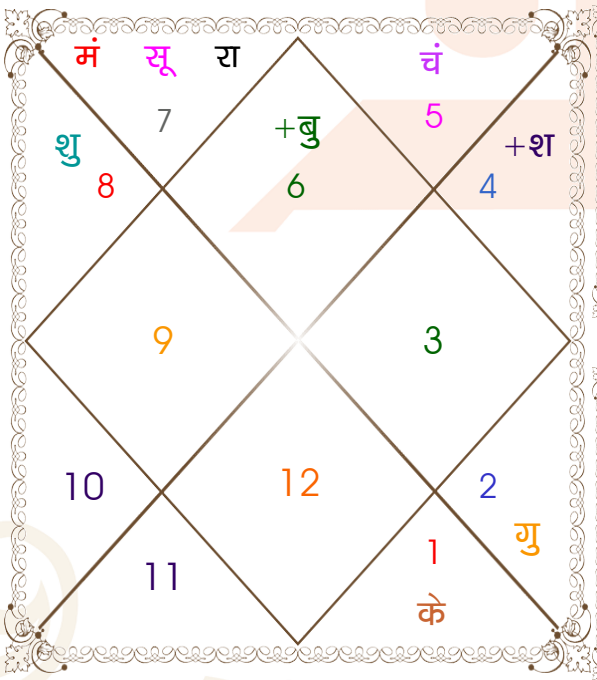


## चन्द्र कुंडली

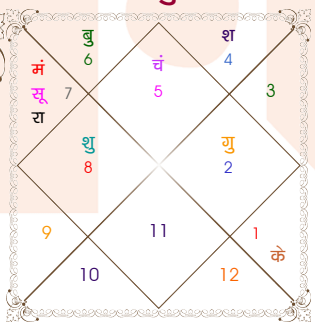


## नवमांश कुंडली

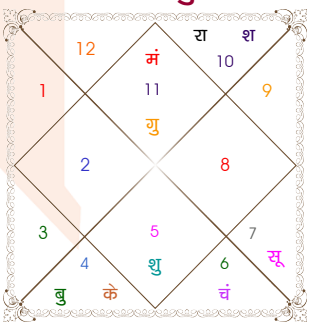


## सर्वाष्टकवर्ग

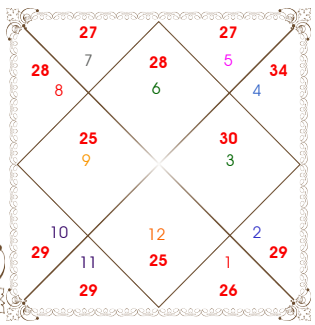


## दशमांश कुंडली

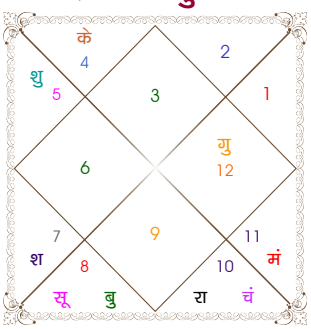

# अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

# अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा तथा मानसिक शान्ति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे एवं इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख शान्ति इस वर्ष उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। स्त्री से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। अतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। इस वर्ष में आपकी लाभ दायक यात्राएं होगी तथा भविष्य में भी इनसे लाभ की संभावनाएं बनेगी। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करेंगे एवं इनका आनन्दपूर्वक उपभोग करेंगे । मित्र एवं संबंधियों से भी आपके संबंध अच्छे रहेंगे तथा इनसे वांछित सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे । नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराकम एवं प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आपकी सुदृढ़ता बनी रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

# अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

# अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्व्रजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्रवर्ग एवं संबधियों से आपको इच्छित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी भलाई के लिए कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके सम्पर्क बनेंगे तथा इनसे भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी आपकी प्रगति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ मिलेगा। साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य आरंभ करने में भी आप सफल रहेंगे।इस समय आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही सरकारी क्षेत्र में आपको कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। इस समय आपकी आशाएं सफल होंगी तथा विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा वाहन सुख भी प्राप्त करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

# प्रथम मास

## 20/10/2026 23:51:18 से 19/11/2026 22:34:03 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कर्क | पुष्य | 07:28:09 |
| सूर्य | | तुला | चित्रा | 03:08:40 |
| चन्द्र | | मकर | धनिष्ठा | 26:18:53 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 18:32:23 |
| बुध | | तुला | विशाखा | 25:59:14 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 28:35:08 |
| शुक्र | व | तुला | स्वाति | 08:33:43 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 15:49:14 |
| राहु | | कुम्भ | धनिष्ठा | 03:49:13 |
| केतु | | सिंह | मघा | 03:49:13 |
| मुंथा | | वृश्चिक | अनुराधा | 05:30:21 |

**मासाधिपति : शनि**

**मासाधिपति**

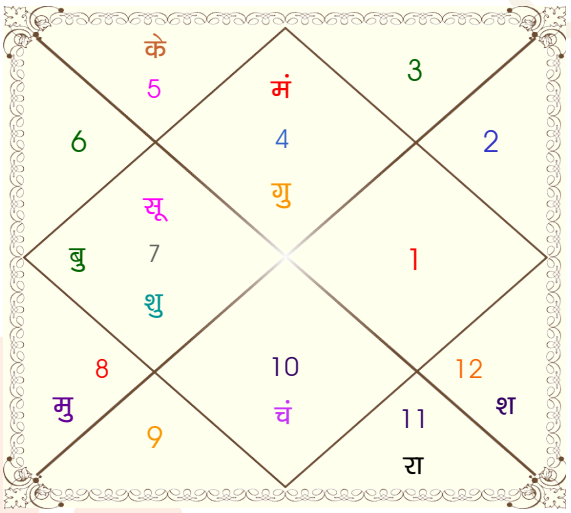


यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

# द्वितीय मास
## 19/11/2026 22:34:03 से 19/12/2026 12:34:42 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कर्क | पुष्य | 15:59:43 |
| सूर्य | | वृश्चिक | विशाखा | 03:08:40 |
| चन्द्र | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 28:46:25 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 03:09:45 |
| बुध | | तुला | स्वाति | 13:44:20 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 01:55:17 |
| शुक्र | | कन्या | चित्रा | 29:15:35 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 14:06:00 |
| राहु | व | कुम्भ | धनिष्ठा | 00:52:22 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 00:52:22 |
| मुंथा | | वृश्चिक | अनुराधा | 08:00:21 |

**मासाधिपति :** बुध

**मासाधिपति**

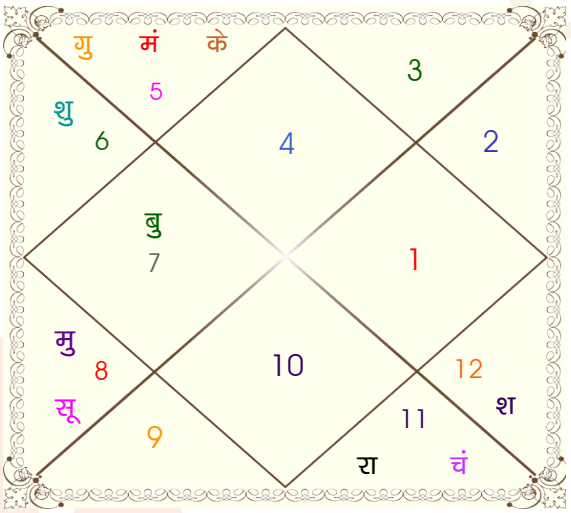


यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

# तृतीय मास
## 19/12/2026 12:34:42 से 17/01/2027 23:16:28 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मीन | उ०भाद्रपद | 06:46:12 |
| सूर्य | | धनु | मूल | 03:08:40 |
| चन्द्र | | मीन | रेवती | 28:04:22 |
| मंगल | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 13:21:20 |
| बुध | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 25:38:45 |
| गुरु | व | सिंह | मघा | 02:43:26 |
| शुक्र | | तुला | स्वाति | 17:15:50 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 13:45:28 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 27:56:39 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 27:56:39 |
| मुंथा | | वृश्चिक | अनुराधा | 10:30:21 |

**मासाधिपति** : बुध

**मासाधिपति**

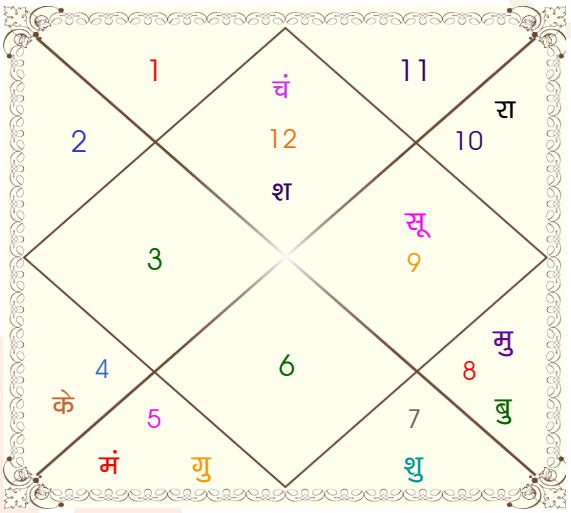


यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

# चतुर्थ मास
## 17/01/2027 23:16:28 से 16/02/2027 12:50:03 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कन्या | हस्त | 14:28:52 |
| सूर्य | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 03:08:40 |
| चन्द्र | | मेष | कृतिका | 27:00:05 |
| मंगल | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 15:51:18 |
| बुध | | मकर | श्रवण | 13:19:03 |
| गुरु | व | सिंह | मघा | 00:47:43 |
| शुक्र | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 16:50:42 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 14:57:39 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 26:30:56 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 26:30:56 |
| मुंथा | | वृश्चिक | अनुराधा | 13:00:21 |

**मासाधिपति :** बुध

**मासाधिपति**

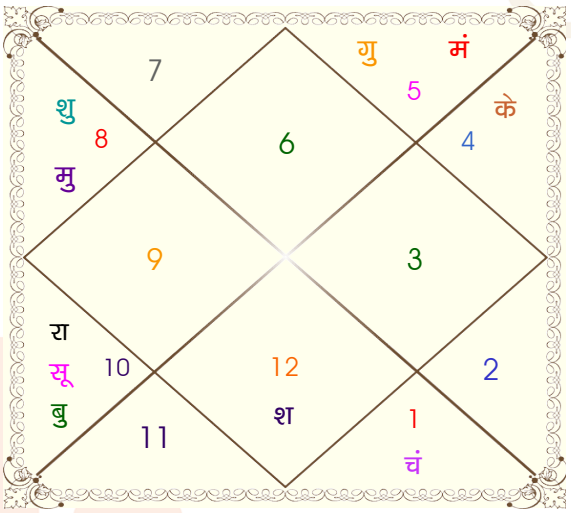


यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

# पंचम् मास
## 16/02/2027 12:50:03 से 18/03/2027 10:46:27 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृष | मृगशिरा | 24:32:59 |
| सूर्य | | कुम्भ | धनिष्ठा | 03:08:40 |
| चन्द्र | | वृष | मृगशिरा | 28:57:10 |
| मंगल | व | सिंह | मघा | 07:51:34 |
| बुध | व | कुम्भ | शतभिषा | 08:07:42 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 27:06:07 |
| शुक्र | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 20:28:38 |
| शनि | | मीन | रेवती | 17:28:10 |
| राहु | | मकर | धनिष्ठा | 26:17:01 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 26:17:01 |
| मुंथा | | वृश्चिक | अनुराधा | 15:30:21 |

**मासाधिपति : शनि**

**मासाधिपति**

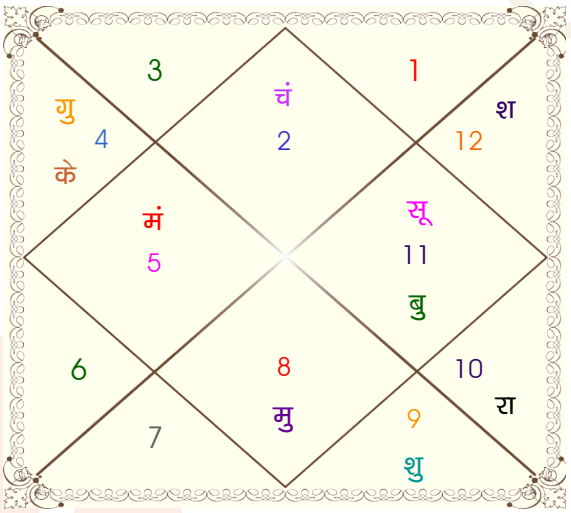


यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

# षष्ठ मास

## 18/03/2027 10:46:27 से 17/04/2027 20:34:20 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृष | रोहिणी | 23:09:12 |
| सूर्य | | मीन | पू०भाद्रपद | 03:08:40 |
| चन्द्र | | कर्क | पुष्य | 06:43:10 |
| मंगल | व | कर्क | आश्लेषा | 27:59:48 |
| बुध | | कुम्भ | धनिष्ठा | 05:33:10 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 23:47:47 |
| शुक्र | | मकर | धनिष्ठा | 25:59:38 |
| शनि | | मीन | रेवती | 20:52:00 |
| राहु | | मकर | धनिष्ठा | 25:49:00 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 25:49:00 |
| मुंथा | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 18:00:21 |

**मासाधिपति : शुक्र**

**मासाधिपति**

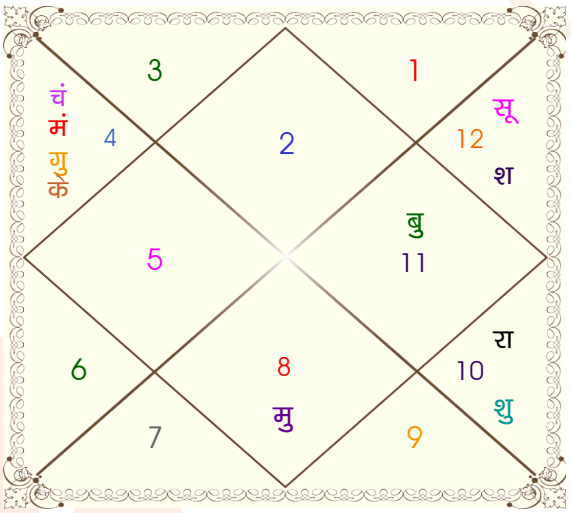


यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

# सप्तम् मास
## 17/04/2027 20:34:20 से 18/05/2027 18:38:17 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | तुला | विशाखा | 25:09:42 |
| सूर्य | | मेष | अश्विनी | 03:08:40 |
| चन्द्र | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 21:08:54 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 28:09:21 |
| बुध | | मीन | रेवती | 21:13:48 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 22:47:11 |
| शुक्र | | मीन | पू०भाद्रपद | 02:41:10 |
| शनि | | मीन | रेवती | 24:40:26 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 23:55:17 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 23:55:17 |
| मुंथा | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 20:30:21 |

**मासाधिपति** : सूर्य

**मासाधिपति**

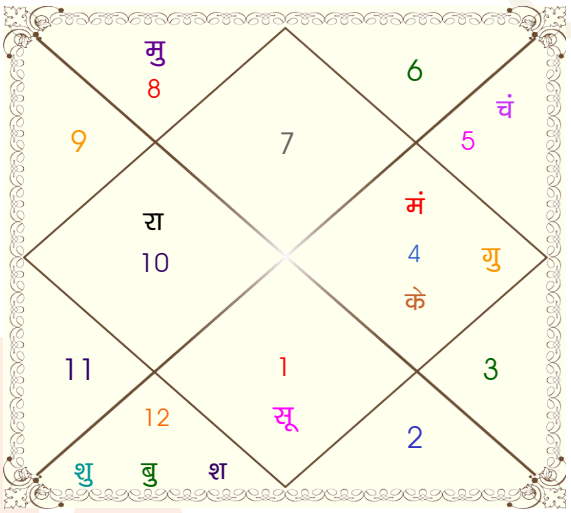


यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

# अष्टम् मास
## 18/05/2027 18:38:17 से 19/06/2027 01:59:22 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | तुला | विशाखा | 26:22:57 |
| सूर्य | | वृष | कृतिका | 03:08:40 |
| चन्द्र | | तुला | स्वाति | 10:26:30 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 07:15:13 |
| बुध | | वृष | रोहिणी | 22:53:58 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 24:36:46 |
| शुक्र | | मेष | अश्विनी | 10:13:15 |
| शनि | | मीन | रेवती | 28:22:33 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 20:41:49 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 20:41:49 |
| मुंथा | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 23:00:21 |

**मासाधिपति : शुक्र**

**मासाधिपति**

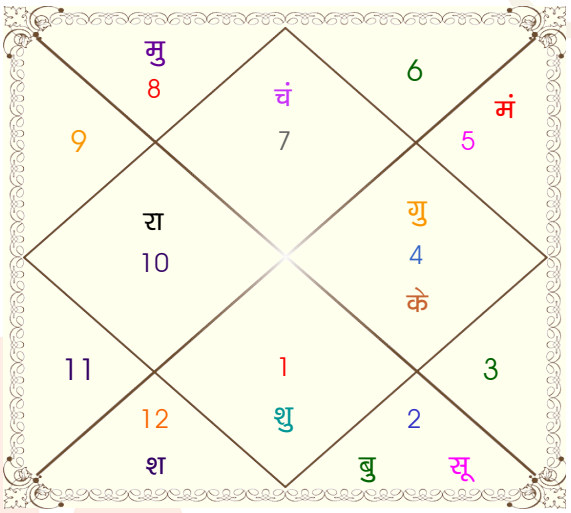


इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

# नवम् मास
## 19/06/2027 01:59:22 से 20/07/2027 12:56:09 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मेष | अश्विनी | 05:50:54 |
| सूर्य | | मिथुन | मृगशिरा | 03:08:40 |
| चन्द्र | | धनु | मूल | 01:10:18 |
| मंगल | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 21:28:57 |
| बुध | व | मिथुन | आर्द्रा | 09:54:00 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 28:48:05 |
| शुक्र | | वृष | रोहिणी | 18:21:30 |
| शनि | | मेष | अश्विनी | 01:25:23 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 17:58:53 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 17:58:53 |
| मुंथा | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 25:30:21 |

**मासाधिपति : बुध**

**मासाधिपति**

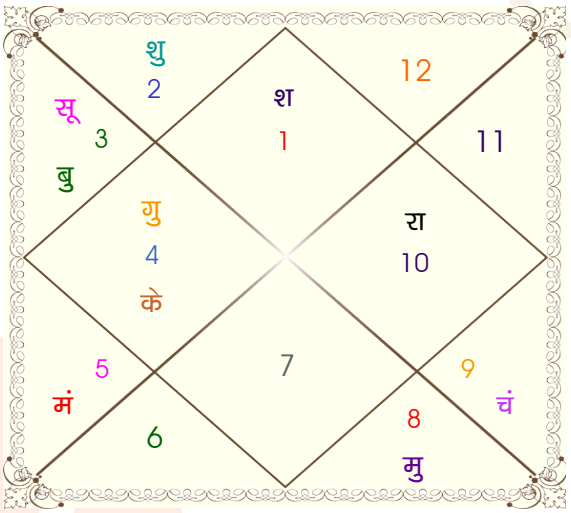


यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

# दशम् मास
## 20/07/2027 12:56:09 से 20/08/2027 20:42:38 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | तुला | चित्रा | 06:31:13 |
| सूर्य | | कर्क | पुनर्वसु | 03:08:40 |
| चन्द्र | | मकर | श्रवण | 21:04:42 |
| मंगल | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 08:40:32 |
| बुध | | मिथुन | आर्द्रा | 13:17:46 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 04:33:47 |
| शुक्र | | मिथुन | पुनर्वसु | 26:53:02 |
| शनि | | मेष | अश्विनी | 03:16:26 |
| राहु | | मकर | श्रवण | 17:12:06 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 17:12:06 |
| मुंथा | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 28:00:21 |

**मासाधिपति : बुध**

**मासाधिपति**

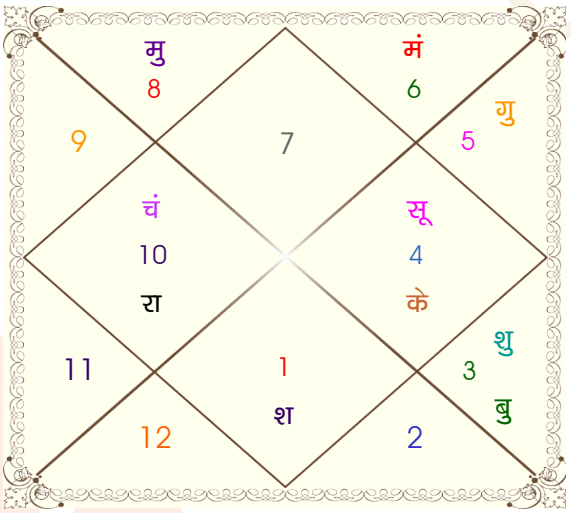


इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

# एकादश मास
## 20/08/2027 20:42:38 से 20/09/2027 19:30:32 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मीन | उ०भाद्रपद | 10:56:36 |
| सूर्य | | सिंह | मघा | 03:08:40 |
| चन्द्र | | मीन | उ०भाद्रपद | 10:00:11 |
| मंगल | | कन्या | चित्रा | 27:44:24 |
| बुध | | सिंह | मघा | 12:15:22 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 11:07:48 |
| शुक्र | | सिंह | मघा | 05:31:17 |
| शनि | व | मेष | अश्विनी | 03:31:53 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 17:11:35 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 17:11:35 |
| मुंथा | | धनु | मूल | 00:30:21 |

**मासाधिपति :** गुरु

**मासाधिपति**

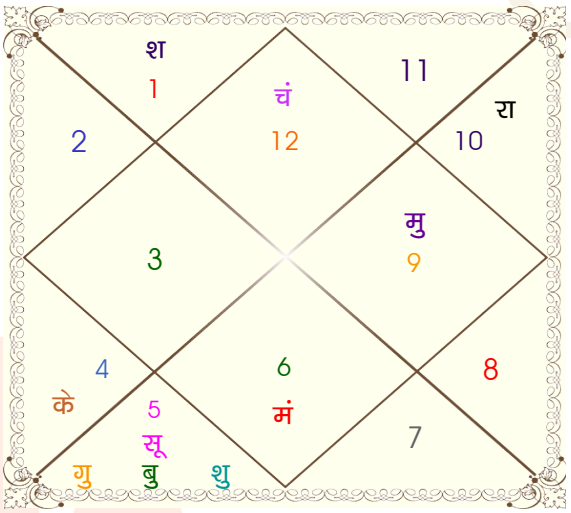


इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

# द्वादश मास

## 20/09/2027 19:30:32 से 21/10/2027 06:09:15 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मीन | रेवती | 29:06:56 |
| सूर्य | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 03:08:40 |
| चन्द्र | | मेष | कृतिका | 27:24:45 |
| मंगल | | तुला | स्वाति | 18:05:08 |
| बुध | | कन्या | चित्रा | 28:56:15 |
| गुरु | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 17:49:23 |
| शुक्र | | कन्या | हस्त | 13:54:20 |
| शनि | व | मेष | अश्विनी | 02:12:10 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 16:06:19 |
| केतु | व | कर्क | पुष्य | 16:06:19 |
| मुंथा | | धनु | मूल | 03:00:21 |

**मासाधिपति : बुध**

**मासाधिपति**

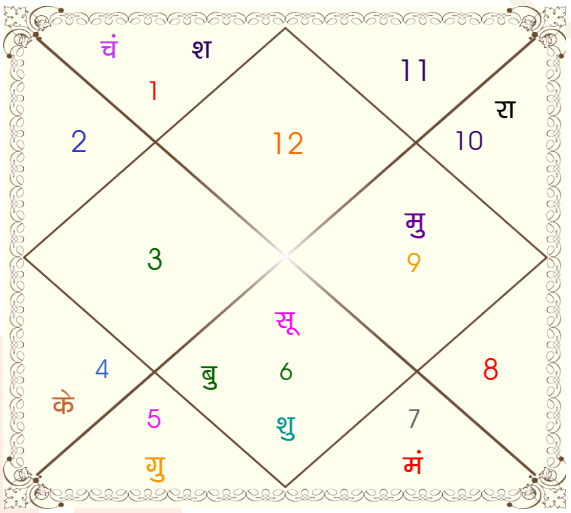


यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे।अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते है। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।